



प्रौद्योगिकी और नवाचार रपिपोर्ट 2023: UNCTAD

प्रलिस के लयि:

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD), प्रौद्योगिकी और नवाचार रपिपोर्ट 2023, हरति प्रौद्योगिकीयों, इलेक्ट्रिक वाहन, हरति ऊर्जा गलियारा, इलेक्ट्रिक वाहनों को तीव्रता से अपनाता और (हाइबरडि) वनिरिमाण, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन ।

मेन्स के लयि:

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन द्वारा जारी रपिपोर्ट, हरति प्रौद्योगिकीयों से संबंधति भारत की पहल ।

चर्चा में क्यों?

व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Conference on Trade and Development- UNCTAD) की प्रौद्योगिकी और नवाचार रपिपोर्ट 2023 के अनुसार, विकसति देश विकासशील देशों की तुलना में हरति प्रौद्योगिकीयों से अधिक लाभान्वति हो रहे हैं, जो वैश्विक आर्थिक असमानता को और बढ़ा सकता है ।

प्रमुख बदि

परिणाम:

- हरति प्रौद्योगिकीयों वर्ष 2020 के 1.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2030 तक 9.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का बाज़ार स्थापति कर सकती हैं ।
 - विकसति देशों से हरति प्रौद्योगिकीयों का कुल नरियात वर्ष 2018 के लगभग 60 बलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2021 में 156 बलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है ।
 - जबकि विकासशील देशों से नरियात 57 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 75 अरब डॉलर हो गया ।
- रपिपोर्ट में शामिल 'सीमांत प्रौद्योगिकी तत्परता सूचकांक' के अनुसार, केवल कुछ विकासशील देशों के पास बलॉकचेन, ड्रोन और सौर ऊर्जा जैसी फ्रंटियर (सीमांत) प्रौद्योगिकीयों का लाभ उठाने की क्षमता है ।
 - इलेक्ट्रिक वाहन, सौर एवं पवन ऊर्जा तथा हरति हाइड्रोजन जैसी हरति सीमांत प्रौद्योगिकीयों के वर्ष 2030 तक 2.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बाज़ार मूल्य तक पहुँचने की संभावना है ।
- सीमांत प्रौद्योगिकी तत्परता सूचकांक, जसिने 166 देशों को रैंक प्रदान कया है, में उच्च आय वाली अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से अमेरिका, स्वीडन, सगिापुर, स्वटिज़रलैंड और नीदरलैंड का प्रभुत्व है ।
 - सूची की दूसरी तमिाही में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं- विशेष रूप से बराज़ील 40वें स्थान पर, चीन 35वें स्थान पर, भारत 46वें स्थान पर, रूसी संघ 31वें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका 56वें स्थान पर ।

○ यहाँ भारत उम्मीद से बेहतर 67 पायदान की रैंकिंग के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला देश बना हुआ है ।

सफिरशें:

- UNCTAD विकासशील देशों की सरकारों से पर्यावरण, वजिज़ान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और औद्योगिक नीतियों को संरेखति करने का आह्वान करता है ।
 - यह उनसे हरति एवं अधिक जटलि क्षेत्रों में नविश को प्राथमकिता देने, हरति वस्तुओं की ओर उपभोक्ता मांग को स्थानांतरति करने के लयि प्रोत्साहन प्रदान करने और अनुसंधान एवं विकास में नविश को बढ़ावा देने का आग्रह करता है ।

- यह सुझाव देता है कि विकासशील देश बढ़ते हरति उद्योगों की रक्षा के लिये टैरिफि, सब्सिडी और सार्वजनिक खरीद का उपयोग करें, जिससे न केवल स्थानीय मांग की पूर्ति होती है अपितु बड़े पैमाने की अर्थव्यवस्था भी सृजति होती है जो निर्यात को अधिक प्रतिसिपर्द्धी बनाती है।
- अंत में UNCTAD ने विकसित देशों से आग्रह किया कि वे अपने कम समृद्ध समकक्षों को सहायता प्रदान करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी देश भाग लेकर तथा हरति तकनीकी क्रांतिका पूर्ण आर्थिक लाभ उठा सकें।

व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD):

- UNCTAD [संयुक्त राष्ट्र](#) का एक स्थायी अंतर-सरकारी निकाय है।
 - यह वर्ष 1964 में स्थापित किया गया था और इसका मुख्यालय जनिवा, स्विट्ज़रलैंड में है।
- इसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश, वित्त एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से विशेष रूप से विकासशील देशों में सतत विकास को बढ़ावा देना है।
- UNCTAD का काम चार मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित है: व्यापार और विकास, निवेश व उद्यम, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार एवं मैक्रोइकॉनॉमिक्स और विकास नीतियाँ।

हरति प्रौद्योगिकियों से संबंधित भारत की पहल:

- प्रधानमंत्री सहज बजिली हर घर योजना (SAUBHAGYA-सौभाग्य)
- हरति ऊर्जा गलियारा (GEC)
- राष्ट्रीय स्मार्ट ग्रिड मशिन (NSGM) एवं स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम
- हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों का तेज़ी से अंगीकरण एवं वनिरिमाण (FAME)
- अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न:

??????:

प्रश्न. भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (IREDA) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2015)

1. यह एक पब्लिक लिमिटेड सरकारी कंपनी है।
2. यह एक गैर-बैंकगि वित्तीय कंपनी है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. वहनीय (अफोरडेबल), विश्वसनीय, धारणीय तथा आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच "सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने के लिये अनविर्य है"। भारत में इस संबंध में हुई प्रगतपिर टपिपणी कीजिये। (2018)

स्रोत: डाउन टू अर्थ